कोटद्वार, शुक्रवार
21 नवम्बर 2025
वर्ष: 48
अंक: 187 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सहसपुर में खाली प्लॉट पर मिला नवजात का क्षत–विक्षत शव

विकासनगर। सहसपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत टीचर्स कॉलोनी स्थित एक खाली प्लॉट में नवजात का क्षत–विक्षत शव मिला। कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि शव को कुत्ता लेकर आया था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ बच्चे को त्यागने के इरादे से छोड़ने का मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट ने बताया कि कंट्रोल रूम से टीचर्स कॉलोनी एक कुत्ते के नवजात के शव को कॉलोनी में लाने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। कॉलोनी में शिव मंदिर के सामने खाली प्लॉट की झाड़ियों में मृत नवजात के शरीर का आधा हिस्सा पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने एक कुत्ते को शव को प्लॉट में ले जाते हुए देखा था। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच की जा रही है।

हत्या के मामले में जमानत पर छूटे युवक ने फांसी लगा जान दी

रुड़की। बुधवार रात लक्सर के बसेड़ा खादर गांव में युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी है। युवक गांव में हुई हत्या के मामले में करीब दो साल जेल में रहने के बाद इसी महीने जमानत पर छूटा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा दिया है। करीब ढाई साल पहले लक्सर के बसेड़ा खादर गांव में अपनी रिश्तेदार के घर आए नकुड़ सहारनपुर के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें गांव के राहुल समेत कई लोग जेल गए थे। राहुल तभी से जेल में बंद था। इसी महीने जमानत मंजूर होने के बाद वह घर आया था। बुधवार शाम को खाना खाने के बाद वह घर में सोया था। रात में उसने देहरादून में रह रही अपनी पत्नी को फोन किया। पत्नी के अनुसार फोन पर उसने आत्महत्या करने की बात कही तो उसने तुरंत लक्सर पुलिस को सूचना दी। पुलिस गांव पहुंची लेकिन तब तक युवक फांसी लगाकर जान दे चुका था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। एसएसआई लोकपाल सिंह परमार ने बताया कि युवक की पत्नी काफी दिनों से देहरादून रह रही थी। मामले में तहरीर अभी नहीं आई है।

श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

ऋषिकेश। ऋषिकेश में गुरुवार को अमावस्या पर लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान घाटों पर सुबह से ही भीड़ देखी गई। लोगों ने पूजा–अर्चना और दान किया। प्रशासन ने सुरक्षा के उचित प्रबंध किए थे। दोपहर तक स्नान का सिलसिला जारी रहा। अमावस्या पर गुरुवार को गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। भोर से ही श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान शुरू कर दिया। हर–हर गंगे के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। घाटों के किनारे विधि विधान से पूजा की। बताया जा रहा है कि तमाम श्रद्धालुओं ने ठंड के बीच ही तड़के पांच बजे से ही स्नान शुरू कर दिया। बहुत से श्रद्धालु तो बुधवार देर रात ही ऋषिकेश पहुंच गए थे। गंगा घाट पर श्रद्धालुओं ने साधु–संतों को उड़द की दाल, चावल, धन, कपड़ा आदि का दान किया। घाट पर श्रद्धालुओं ने विधि–विधान के साथ विभिन्न प्रकार के पूजा पाठ भी किए। त्रिवेणीघाट, लक्ष्मणझूला, स्वर्गाश्रम, मुनिकीरेती, तपोवन, 72 सीढ़ी, साईंघाट, श्यामपुर, हरिपुरकलां आदि जगह गंगा घाट और तटों पर श्रद्धालु गंगा में स्नान करते हुए नजर आए।

मसूरी में मौसम ने बदली करवट ली, ठंड बढ़ी

देहरादून। मसूरी में काफी लंबे–समय बाद मौसम ने करवट ली है। शहर में सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई जिससे ठंड बढ़ गई है। गुरुवार को पर्यटन नगरी मसूरी में शाम 4:00 बजे करीब मौसम के करवट बदलते ही आसमान में काले बादल छा गए। शहर में सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गई जिससे ठंड बढ़ गई लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। इससे पूर्व शहर में सुबह से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक चटक धूप खिली रही। दिन भर गर्मी का एहसास होता रहा लेकिन शाम 4:00 बजे के बाद आसमान में काले बादल छाने के साथ ही शहर में चारों ओर धुंध छा गई।

शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी ने झुककर किया शुक्रिया और गमछा लहराकर भरा जोश

पटना ,। नीतीश कुमार ने गुरुवार को इतिहास रचते हुए 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पटना के गांधी मैदान में आयोजित समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें सीएम पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित रहे।

इस दौरान पीएम मोदी का एक बार फिर देसी स्टाइल देखने को मिला। शपथ ग्रहण समारोह खत्म होते ही वह थोड़ी देर तक गमछा लहराते दिखे। उन्हें ऐसा करते देख समारोह में उपस्थित लोग भी जोश और उत्साह से भर उठे और पीएम मोदी को अपना समर्थन देते दिखे। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने समारोह में आए लोगों के सामने कई बार झुककर आभार

और नमन किया।

इससे पहले मंच पर बैठे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार बात करते नजर आए और इस प्रचंड जीत से उत्साहित नजर आए। चुनावी प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी ने नीतीश कुमार को भाई बताया था। उन्होंने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि दो भाई (नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार) मिलकर आपकी सेवा, समृद्धि और स्वाभिमान के लिए लगातार काम कर रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान भी पीएम मोदी के बिहारी अंदाज में गमछा लहराने को लोगों ने काफी पसंद किया था।

चुनाव में बिहार के लोगों ने इस जोड़ी को काफी पसंद किया और एनडीए को प्रचंड बहुमत देकर सत्ता सौंपी। इससे पहले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। साथ ही सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। 26 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। नीतीश मंत्रिमंडल में इस बार तीन महिलाओं को भी स्थान दिया गया है। इस मंत्रिमंडल में कई नए चेहरों को भी शामिल किया गया है।

मैं नीतीश कुमार... सुशासन बाबू ने 10वीं बार ली बिहार के सीएम पद की शपथ

26 विधायक भी लेंगे मंत्री पद की शपथ

पटना , पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में हो रहे भव्य समारोह में क्रू मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

वहीं डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी ने भी शपथ ली। बतौर डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा शपथ लेंगे। कुल 26 विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे। इसमें मुख्यमंत्री समेत जदयू के 8, भाजपा के 14 और लोजपा (आर) से 2, रालोमो और हम के 1–1 मंत्री होंगे।

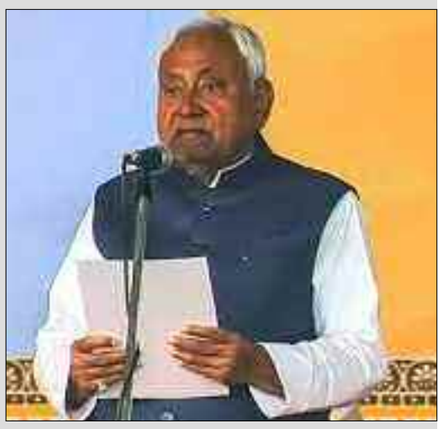

राज्यपाल बिलों को अनिश्चितकाल तक नहीं रोक सकते -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि राज्यपाल के पास किसी भी बिल पर निर्णय लेने के लिए अनिश्चितकाल तक इंतजार करने या प्रक्रिया रोककर रखने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि डीम्ड असेंट (निर्धारित समय में मंजूरी मान लेना) का सिद्धांत संविधान की भावना और शक्तियों के बंटवारे के मूल सिद्धांत के अनुरूप नहीं माना जा सकता, लेकिन साथ ही राज्यपाल बिल को अनिश्चितकाल तक लंबित भी नहीं रख सकते। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ– जिसमें जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस ए.एस. चंदुरकर शामिल थे–ने 10 दिनों तक दलीलें सुनने के बाद 11 सितंबर को फैसला सुरक्षित रखा था।

अदालत ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल के पास बिल पर निर्णय लेने के

केवल तीन विकल्प हैं–

1. बिल को मंजूरी देना
2. बिल को पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस भेजना,
3. बिल को राष्ट्रपति के विचार के लिए सुरक्षित रखना।

कोर्ट ने कहा कि 'प्रोवाइजोज़ को चौथा विकल्प नहीं माना जा सकता। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि भारतीय संघवाद के ढांचे में यह स्वीकार्य नहीं है कि राज्यपाल किसी बिल को बिना सदन को लौटाए अनिश्चितकाल तक रोके रखें।

फैसले में कहा गया कि चुनी हुई सरकार और कैबिनेट ड्राइवर की सीट में होती है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राज्यपाल का पद केवल औपचारिक हो जाता है। राज्यपाल और राष्ट्रपति दोनों की भूमिका संवैधानिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण है, परंतु इन पदों का उद्देश्य संवाद, सहयोग और संतुलन बनाए रखना है–न कि टकराव पैदा करना।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को टकराव की बजाय संवाद और सहयोग की भावना अपनानी चाहिए, ताकि संघवाद की मूल भावना कायम रह सके।

नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में हुए सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी आज बिहार के गांधी मैदान, पटना में आयोजित बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिभाग करने पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि बिहार और उत्तराखंड के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई सरकार के नेतृत्व में बिहार राज्य नई ऊंचाई और संकल्प के साथ विकास की नई उंचाइयों को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री धामी ने देशभर से पहुंचे विभिन्न राज्यों के गणमान्य नेताओं से भी शिष्टाचार भेंट की और उनसे राष्ट्रीय विकास, सुशासन तथा समन्वित प्रगतिशील नीतियों पर विचार–विमर्श किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने बिहार के जनता जनार्दन के उज्ज्वल भविष्य, राज्य की निरंतर प्रगति और नवगठित सरकार के सफल कार्यकाल की शुभकामनायें प्रेषित कीं।

लाल किले के पास धमाका मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार

एनआईए टीम ने जम्मू–कश्मीर से हिरासत में लिया

नई दिल्ली , दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट की घटना की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी सफलता हासिल की। एजेंसी ने इस मामले में चार और प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद गिरफ्तारियों की कुल संख्या बढ़कर छह हो गई है।

एनआईए की ओर से गुरुवार को जारी प्रेस नोट में कहा गया कि जांच एजेंसी ने इन चारों आरोपियों को जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर से हिरासत में लिया। उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया गया। एजेंसी ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनकी पहचान डॉ. मुजम्मिल शकील गनाई (पुलवामा, जम्मू–कश्मीर), डॉ. अदील अहमद राथर (अनंतनाग, जम्मू–कश्मीर), डॉ. शहीन सईद (लखनऊ, उत्तर प्रदेश) और मुफ्ती इरफान अहमद वगाय (शोपियां, जम्मू–कश्मीर) के रूप में की है।

एनआईए की प्राथमिक जांच के अनुसार, इन सभी आरोपियों ने दिल्ली में हुए इस आतंकी हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी। इस हमले में कई निदोष लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। एजेंसी ने इससे पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आमिर राशिद अली, जिसके नाम पर धमाके में इस्तेमाल की गई कार रजिस्टर्ड थी और जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश, जिसने आतंकी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी, शामिल थे। इन दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और एनआईए इस पूरे आतंकी मॉड्यूल की गहन जांच कर रही है। आपको बताते चलें, हमले की जांच केंद्र गृह मंत्रालय द्वारा एनआईए को सौंपी गई थी। इसके बाद से एजेंसी विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर इस मॉड्यूल से जुड़े हर सदस्य का पता लगाने और उसे न्याय के कटघरे में लाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। एनआईए का कहना है कि वह इस भीषण आतंकी साजिश की पूरी परतें खोलने और इसके मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए लगातार कोशिशें जारी रखे हुए है।

यूनुस मेरी मां को छू भी नहीं सकते, शेख हसीना के बेटे साजीब वाजेद ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद

ढाका , बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) की ओर से मिली मौत की सजा को लेकर उनके बेटे और अवामी लीग पार्टी के सदस्य साजीब वाजेद ने एजेंसी से एक्सक्लूसिव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यूनुस सरकार पर जमकर हमला बोला। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। सजीब वाजेद ने कहा, आईसीटी का फैसला पूरी तरह से गैरकानूनी है। यह एक मजाक है। आपके पास एक ऐसी सरकार है जो पूरी तरह से बिना चुनी हुई, गैर संवैधानिक, गैर कानूनी है। उन्होंने इस ट्रिब्यूनल के 17 जजों को हटा दिया और एक नए जज को नियुक्त किया जिसे ट्रायल बेंच का कोई अनुभव नहीं है और उसने मेरी मां के बारे में सबके सामने बहुत बुरी बातें कही हैं। वह साफ तौर पर

पक्षपाती है। सजीब से पूछा गया कि क्या मौत की सजा के ऐलान के बाद मुहम्मद यूनुस शेख हसीना को मारने की कोशिश कर रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा, नहीं, वे उन्हें मार नहीं पाएंगे। वे असल में सजा को कैसे लागू करेंगे? सबसे पहले, वे उन्हें पकड़ नहीं सकते। दूसरा, एक बार कानून का राज आ जाने पर यह पूरी प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। यूनुस मेरी मां को छू नहीं सकते। शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। उन्होंने मेरी मां की सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने मेरी मां की जान बचाई है। वह एक देश के मुखिया के तौर पर उन्हें कड़ी सुरक्षा में रख रहे हैं और इसके लिए मैं भारत सरकार और भारत के लोगों का हमेशा शुक्रगुजार रहूंगा। वहीं जब शेख हसीना के प्रत्यर्पण से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि किसी का प्रत्यर्पण कराने के लिए ट्रीटी के साथ कानून होना चाहिए। सबसे पहले, एक लीगल सरकार होनी चाहिए, जो ये है नहीं। दूसरा, ड्यू प्रोसेस फॉलो किया जाना चाहिए, जो फॉलो नहीं किया गया है। प्रोसेस खुद लीगल होना चाहिए और बांग्लादेश में प्रोसेस पूरी तरह से गैर कानूनी थी। इसलिए मेरी मां का प्रत्यर्पण नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को सुनाई गई सजा और बांग्लादेश में आगामी चुनाव के बीच कनेक्शन को लेकर उन्होंने कहा, बिल्कुल। उन्होंने जो किया है, वह यह है कि उन्होंने मेरी मां को दोषी ठहराया है। उन्होंने फिर से कानून में बदलाव किया है ताकि कोई भी जिस पर भी आरोप हो, वह चुनावों में हिस्सा न ले सके, जो कि पूरी तरह से सही प्रक्रिया का उल्लंघन है क्योंकि आप किसी को तब तक बैन नहीं कर सकते जब तक उसे दोषी न ठहराया जाए, इसीलिए उन्हें यह सजा जल्दबाजी में देनी पड़ी। उन्होंने हमारी पार्टी अवामी लीग को भी चुनावों से बैन कर दिया है। यहां कोई डेमोक्रेसी नहीं है।

दहेज हत्या प्रकरण पर महिला आयोग सख्त, पुलिस को कड़ी कार्रवाई के निर्देश

देहरादून। दहेज उत्पीड़न से जुड़े एक गंभीर मामले में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सीओ ऋषिकेश डॉ. पूर्णिमा गर्ग और एडिशनल एसपी जया बलूनी को तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने पुलिस को मामले की गंभीर जांच कर दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। शिकायत पत्र के अनुसार, ऋषिकेश निवासी उमेश कुमार ने अपनी पुत्री सोनी की दहेज उत्पीड़न और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पुत्री की शादी 02 जुलाई 2023 को सुमित पुत्र विनोद निवासी जाटव बस्ती रेलवे रोड ऋषिकेश से हुई थी। शादी के शुरुआत से ही पुत्री को उसके पति व ससुराल पक्ष द्वारा दहेज को लेकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। इस संबंध में 30 सितंबर 2023 को थाना पुलिस को तहरीर भी दी गई थी। पीड़ित पिता के अनुसार 18 नवंबर 2025 की शाम करीब 6 बजे पुत्री के ससुराल वालों ने हत्या कर दी। आरोप है कि घटना के बाद सभी आरोपी शव को सरकारी अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए।

ईडी का बड़ा एक्शन

अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप की 1,400 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की

मुंबई ,प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) ग्रुप पर बड़ा एक्शन लिया है और 1,400 करोड़ रुपए की वैल्यू की नई अचल संपत्तियां जब्त की हैं। सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी में बताया कि नए कदम के बाद ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियों की वैल्यू बढ़कर करीब 9,000 करोड़ रुपए हो गई है। ईडी की ओर से संपत्तियां ऐसे समय पर जब्त की जा रही हैं, जब जांच एजेंसी पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को कई बार समन भेज चुकी है और वह पेश नहीं हुए हैं। रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी को 17 नवंबर को ईडी के दिल्ली मुख्यालय में जयपुर–रींगस हाईवे प्रोजेक्ट से जुड़ी फेमा जांच में दूसरी बार पेश होना था, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा। इससे पहले

पहले अनिल अंबानी 14 नवंबर को भी ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए थे। हालांकि, दौरान उनकी ओर से रखे गए वर्चुअल पेशी के प्रस्ताव को जांच एजेंसी ने खारिज कर दिया था। ईडी सूत्रों के अनुसार, सरकारी एजेंसी फेमा के तहत उनका बयान दर्ज करना चाहती है। यह जांच उन आरोपों के बाद शुरू हुई थी, जिसमें कहा गया था कि रिलायंस इंफ्रा ने 2010 में मिले हाइवे प्रोजेक्ट के लगभग 40 करोड़ रुपए को सूरत स्थित फर्जी कंपनियों के माध्यम से दुबई भेज दिया था।

श्री बदरीनाथ धाम में कपाट बंद की प्रक्रिया के तहत पंच पूजाएं आज से होगी शुरू

25 नवंबर को श्री बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होंगे

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी मंगलवार 25 नवंबर को अपराह्न 2 बजकर 56 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद हो जायेंगे। कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत शुक्रवार 21 नवंबर से पंच पूजाएं शुरू होंगी। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने जानकारी दी कि कपाट बंद होने की प्रक्रिया के अंतर्गत पंच पूजाओं के पहले दिन 21 नवंबर को भगवान गणेश की पूजा होगी। शाम को इसी दिन भगवान गणेश के कपाट बंद होंगे, दूसरे दिन 22 नवंबर को आदि केदारेश्वर मंदिर तथा शंकराचार्य मंदिर के कपाट बंद होंगे।

तीसरे दिन 23 नवंबर को खडग-पुस्तक पूजन तथा वेद ऋचाओं का वाचन बंद हो जायेगा। चौथे दिन 24 नवंबर मां लक्ष्मी जी को कढ़ाई भोग चढ़ाया जायेग, 25 नवंबर को अपराह्न 2 बजकर 56 मिनट पर श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु बंद हो जायेंगे। 26 नवंबर प्रातः को श्री कुबेर जी एवं उद्धव जी सहित रावल जी सहित आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी शीतकालीन प्रवास पांडुकेश्वर तथा श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ को प्रस्थान करेंगे। श्री उद्धव जी एवं कुबेर जी शीतकाल में गद्दीस्थल पांडुकेश्वर में प्रवास करेंगे, जबकि आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी 27 नवंबर को श्री नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ पहुंचेगी। जारी प्रेस विज्ञप्ति में बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को फूलों से सजाया जायेगा। कपाट बंद के समय बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवान, रावल अमरनाथ नंबूदरी, मुख्य कार्याधिकारी/कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, प्रभारी धर्माधिकारी स्वयंवर सेमवाल हक हकूकधारी एवं तीर्थ पुरोहित एवं श्रद्धालुजन मौजूद रहेंगे।

सरकार का बड़ा फैसला, कुत्ते के काटने से मौत पर मिलेगा 5 लाख रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली ,कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों के काटने से बढ़ती दुर्घटनाओं और मौतों को देखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब अगर किसी व्यक्ति की कुत्ते के काटने से मौत होती है, तो उसके परिवार को 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। सरकार ने गंभीर रूप से घायल होने वाले पीड़ितों के लिए भी मुआवजे का प्रावधान किया है। गर कुत्ते ने त्वचा में छेद कर दिया हो, गहरी चोट लगी हो, फटने वाली चोट हो या एक साथ कई जगह काट लिया हो तो पीड़ित को कुल 5 हजार रुपये मिलेंगे। इसमें से 3500 रुपये सीधे पीड़ित को दिए जाएंगे और 1500 रुपये इलाज के लिए सुवर्ण आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट को जाएंगे। पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने एक अखबार के हवाले से बताया कि इस साल अभी तक तमिलनाडु में कुत्तों द्वारा लोगों को काटने के करीब 5.25 लाख मामले सामने आए हैं और रेबीज से 28 लोगों की मौत हो चुकी है। चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कुत्तों से प्यार करने वालों की भावनाएं जायज हैं, लेकिन ये डराने वाले आंकड़े भी देखने चाहिए।

भारत के पड़ोसी देश में फिर भड़का जेन–जेड आंदोलन, कई इलाकों में लगा कर्फ्यू, एयरपोर्ट बंद

काठमांडू , नेपाल में जेन–जेड आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है और इसका केंद्र बिंदु बना है बारा जिला, जहां रविवार को सेमरा एयरपोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शनों ने जोर पकड़ लिया। प्रदर्शनकारियों का रोष रूरू नेता महेश बस्नेत के खिलाफ है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पहले हुए त्रद्गठ्ठ–ंआंदोलन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पक्ष में खड़े होकर युवाओं की मांगों को कमजोर किया था। इसी मुद्दे को लेकर क्षेत्र में पहले से तनाव बना हुआ था।

जानकारी के अनुसार, रूरू नेता शंकर पौडेल और महेश बस्नेत रविवार को एक राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बारा पहुंचने वाले थे, लेकिन उनके आने

की सूचना मिलते ही ंसमर्थक विरोध के लिए सड़कों पर उतर आए और सेमरा एयरपोर्ट पर घेराव शुरू कर दिया। कुछ ही देर में भीड़ बढ़ती चली गई और हालात तनावपूर्ण हो गए, जिसके बाद एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ानी पड़ी। स्थिति पर नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार मिश्र ने तत्काल कर्फ्यू लागू करने का आदेश जारी किया। यह कर्फ्यू दोपहर 12:30 बजे से रात 8 बजे तक सेमरा एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों में प्रभावी रहेगा। डीएम मिश्र ने बताया कि बढ़ते प्रदर्शन और संभावित हिंसा को देखते हुए यह निर्णय लेना आवश्यक हो गया था।

कर्फ्यू लगने के बाद प्रशासन ने सेमरा एयरपोर्ट की सभी उड़ानें रद्द कर दीं। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था।

सम्पादकीय

महिला आरक्षण की बहस

बिना आर्थिक भागीदारी बढ़ाए और सामाजिक परिवेश बदले सिर्फ राजनीति प्रतिनिधित्व देना प्रतीकात्मक महत्त्व भर का साबित हो सकता है। ऐसी अनेक मिसालें अभी मौजूद हैं। अतः महिला आरक्षण की बहस को अधिक बड़ा फ़लक दिए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को 'सबसे बड़ी अल्पसंख्यकइ बताया है। अगर इसका अर्थ निर्णय के स्थलों और नीति निर्माण की प्रक्रिया में उपस्थिति से है, तो कोर्ट की राय से सहज सहमत हुआ जा सकता है। वैसे ये टिप्पणी करते हुए जस्टिस बी।वी। नागरत्नम्मा ने आबादी में महिलाओं की संख्या का भी जिक्र किया। कहा कि कुल आबादी में महिलाएं 48।44 फीसदी हैं। यानी संख्यात्मक रूप से भी वे अल्पसंख्यक हैं। जस्टिस नागरत्नम्मा ने कहा कि संविधान में 106वां संशोधन महिलाओं को राजनीतिक न्याय देने की मिसाल है, हालांकि उन्होंने सवाल किया कि आखिर आरक्षण के प्रावधान से अलग भी राजनीति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दिया जा सकता।

जस्टिस नागरत्नम्मा और जस्टिस आर महादेवन की बेंच एक याचिका पर सुनवाई कर रही है, जो विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए हुए संविधान संशोधन से संबंधित है। चूंकि उपरोक्त आरक्षण जनगणना के बाद होने वाले चुनाव में लागू होगा, तो इस कथित देर पर याचिका में सवाल खड़े किए गए हैं। मगर कोर्ट इस देर से अधिक परेशान नहीं दिखा। इसी क्रम में बिना आरक्षण लागू हुए प्रतिनिधित्व का प्रश्न उठाया गया। बहरहाल, प्रतिनिधित्व अभी मिले या जनगणना के बाद कुछ अहम सवाल कायम रहेंगे। इनमें प्रमुख यह है कि प्रतिनिधित्व दिखावटी होना चाहिए या यह वास्तविक सशक्तीकरण का परिणाम होना चाहिए? आरक्षण के प्रावधान अक्सर वंचित या पीड़ित समूहों की स्व–प्रेरणा एवं अपनी शक्ति से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज कर देते हैँ। संभव है कि यही बात महिला आरक्षण के संदर्भ में भी लागू होती दिखे। सत्ता के उंचे स्थलों पर महिलाओं की उपस्थिति बेहद कम है, तो उसका कारण वह सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरातल है, जिसमें बच्चियों को लड़कों से कमतर अवसर मिल पाते हैँ। खुद जस्टिस नागरत्नम्मा ने भी कहा कि राजनीति, सामाजिक एवं आर्थिक न्याय का समान महत्त्व है। तो बिना आर्थिक भागीदारी बढ़ाए और सामाजिक परिवेश बदले सिर्फ राजनीति प्रतिनिधित्व देने की कोशिश प्रतीकात्मक महत्त्व की साबित हो सकती है। फिलहाल, ऐसी अनेक मिसालें भारतीय राजनीति में मौजूद हैं। अतः महिला आरक्षण की बहस को अधिक बड़ा दायरा दिए जाने की जरूरत है।

बिहार का जनादेश और भारतीय राजनीति का उभरता परिदृश्य

वर्षों तक, बिहार पर व्यक्त किये गए विचारों में राज्य को समय के प्रवाह में एक रुका हुआ राज्य मान लिया गया था। चुनावों को जातिगत अंकगणित की कवायद माना जाता था और सामाजिक जनसांख्यिकी को राजनीतिक नतीजों में तब्दील कर दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय राजनीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से विकास, समावेश और राज्य क्षमता के रूप में बदल गया है तथा बिहार के मतदाताओं ने इस बदलाव को लेकर पूरी स्पष्टता से जवाब दिया है। 2025 के परिणाम एक ऐसे मतदाता को इंगित करते हैं, जिसकी आकांक्षा बड़ी है और जिसने असुरक्षा व पक्षाघात वाले बिहार तथा बेहतर शासन वाले बिहार के बीच के अंतर को महसूस किया है। कई नागरिकों ने बातचीत में और मतदान के पैटर्न में व्यक्त किया है कि 2024 के आम चुनाव में अपेक्षा से कम समर्थन के बाद यह चुनाव जिम्मेदारी की भावना लेकर आया है। लोगों ने अपने निष्कर्ष निकाले हैं कि वे देश की व्यापक यात्रा में बिहार को कहाँ देखना चाहते हैं। बेहतर शासन ने इस परिवर्तन को आधार प्रदान किया है। पिछले एक दशक में, बिहार में 55,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण या उन्नयन हुआ है, जो गांवों को बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ती हैं। केंद्रीय योजनाओं और राज्य कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से लाखों परिवारों को बिजली, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हुई है।

हरदीप सिंह पुरी

बिहार की जनता ने एक ऐसा जनादेश दिया है, जिसका महत्व सीटों के गणित से कहीं आगे जाता है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने विधानसभा की 243 सीटों में से 202 सीट पर जीत दर्ज की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने अकेले 89 सीटें हासिल की हैं, जो राज्य में पार्टी का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दशकों तक विभिन्न गठबंधनों के तहत बिहार की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने के बाद, महागठबंधन अब सिफ़'34 सीटों पर सिमट गया है। 7.4 करोड़ से ज़्यादा पंजीकृत मतदाताओं में से 67.13 प्रतिशत ने मतदान किया। यह चुनाव राज्य के हाल के इतिहास में सबसे कड़े मुक़ाबले वाले चुनावों में से एक सिद्ध हुआ है और चुनाव परिणामों ने वास्तविक लोकतांत्रिक गहराई को रेखांकित किया है। वर्षों तक, बिहार पर व्यक्त किये गए विचारों में राज्य को समय के प्रवाह में एक रुका हुआ राज्य मान लिया गया था। चुनावों को जातिगत अंकगणित की कवायद माना जाता था और सामाजिक जनसांख्यिकी को राजनीतिक नतीजों में तब्दील कर दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारतीय राजनीति का परिदृश्य निर्णायक रूप से विकास, समावेश और राज्य क्षमता के रूप में बदल गया है तथा बिहार के मतदाताओं ने इस बदलाव को लेकर पूरी स्पष्टता से जवाब दिया है। 2025 के परिणाम एक ऐसे मतदाता को इंगित करते हैं, जिसकी आकांक्षा बड़ी है और जिसने असुरक्षा व पक्षाघात वाले बिहार तथा बेहतर शासन वाले बिहार के बीच के अंतर को महसूस किया है। कई नागरिकों ने बातचीत में और मतदान के पैटर्न में व्यक्त किया है कि 2024 के आम चुनाव में अपेक्षा से कम समर्थन के बाद यह चुनाव जिम्मेदारी की भावना लेकर आया है। लोगों ने अपने निष्कर्ष निकाले हैं कि वे देश की व्यापक यात्रा में बिहार को कहाँ देखना चाहते हैं। बेहतर शासन ने इस परिवर्तन को आधार प्रदान किया है। पिछले एक दशक में, बिहार में 55,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण या उन्नयन हुआ है, जो गांवों को बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ती हैं। केंद्रीय योजनाओं और राज्य कार्यक्रमों के संयोजन के माध्यम से लाखों परिवारों को बिजली, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। सौभाग्य और उससे जुड़ी पहलों के तहत, बिहार में 35 लाख से ज़्यादा घरों का विद्युतीकरण किया गया, जिससे राज्य सार्वभौमिक घरेलू बिजली आपूर्ति के करीब पहुँच गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, बिहार के लिए 57 लाख से ज़्यादा पक्के घर स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से कई महिलाओं के नाम पर पंजीकृत हैं। ये आँकड़े उन ठोस बदलावों की ओर इशारा करते हैं, जिन्हें लोग देख और अनुभव कर सकते हैंः एक बारहमासी सड़क, एक जलती रहने वाली रोशनी, एक नियमित पेयजल आपूर्ति करने वाला नल तथा एक ऐसा घर, जो सम्मान प्रदान करता हो। जैसे–जैसे इन सार्वजनिक कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार हुआ, पुरानी शक्तियों की पकड़ ढीली होती गयी। बिहार का समाज विविधतापूर्ण और बहुस्तरीय है, फिर भी चुनावी लिहाज़ से यह बहुस्तरीय समाज अपने समुदायों तक सीमित नहीं रहा। विभिन्न समुदायों की महिलाएँ अब सुरक्षा, आवागमन और अवसर को लेकर एक

जैसी अपेक्षाएँ रखती हैं। कभी सामाजिक पदानुक्रम के विपरीत छोर पर खड़े परिवारों के युवा अब खुद को एक ही कोचिंग क्लास और श्रम बाज़ार में पाते हैं। उनके रोज़मर्रा के अनुभव उन्हें आकांक्षाओं के एक साझा दायरे में ले आते हैं। उस दायरे में, वे राजनीति से रोज़गार, अवसंरचना, स्थिरता और निष्पक्षता जैसे सवाल पूछते हैं।इस जनादेश ने वंशवाद–केंद्रित राजनीति पर भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। पारिवारिक करिश्मे और विरासत में मिले नेटवर्क पर निर्भर रहने वाली पार्टियों का विधायी दायरा तेज़ी से सिकुड़ रहा है। बिहार ने कई दशकों से ऐसे गठबंधनों को करीब से देखा है और उनकी सीमाओं को समझा है। 2025 के नतीजे बताते हैं कि मतदाता इस बात पर गौर कर रहे हैं कि नेता सरकार में कैसा व्यवहार करते हैं, संकट के समय में उनकी प्रतिक्रिया कैसी होती है, संस्थाओं के साथ कैसे व्यवहार करते हैं और सार्वजनिक संसाधनों का किस रूप में उपयोग करते हैं। व्यापक राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पारिवारिक पृष्ठभूमि मौजूद है, लेकिन वहाँ भी कड़ी मेहनत, संगठनात्मक क्षमता और सेवा के रिकॉर्ड से जुड़ी माँगें उन्हें बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती हैं।

युवा मतदाताओं का व्यवहार इस बदलाव का मूल तत्व है। बिहार भारत की सबसे युवा जनसांख्यिकीय आबादी वाले राज्यों में से एक है और 2000 के बाद जन्म लिए लाखों नागरिकों ने इस चुनाव में मतदान किया है। वे ऐसे भारत में पले–बढ़े हैं जहाँ एक्सप्रेसवे, डिजिटल भुगतान, प्रतिस्पर्धी संघवाद और महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाएँ अपेक्षाओं को आकार देती हैं। वे राज्यों की तुलना करते हैं, घोषणाओं पर नज़र रखते हैं और नेताओं का मूल्यांकन इस आधार पर करते हैं कि वादे कितनी तेज़ी से कार्यान्वित होते हैं। उनके लिए, समय पर बनी सड़क और कभी फ़ाइल से बाहर न आने वाली सड़क के बीच का अंतर समझना कोई कठिन बात नहीं है। वे हर दिन उस अंतर का अनुभव करते हैं जब वे कॉलेजों, कोचिंग सेंटर या कार्यस्थलों पर आते–जाते हैं, या जब वे अपने परिवारों को परिवहन संपर्क–सुविधा और कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होते देखते हैं। यह पीढ़ी राष्ट्रीय एकजुटता के लिए भी एक तीव्र प्रवृत्ति रखती है। युवा मतदाता ऐसी बयानबाजी के प्रति सतर्क रहते हैं, जो संस्थानों को कमज़ोर करती हैं, अलगाववादी भावनाओं को भड़काती हैं या राष्ट्रीय सुरक्षा को कम महत्व देती हैं। वे बेरोज़गारी और असमानता सहित नीतिगत बहसों में आलोचनात्मक रूप से शामिल होते हैं, फिर भी वे गणतंत्र को बेहतर बनाने वाली आलोचना और देश की एकजुटता के प्रति उदासीन आख्यानों के बीच एक रेखा खींचते हैं। बिहार का जनादेश इसी अंतर को प्रतिबिंबित करता है। मतदाताओं ने एक ऐसे राजनीतिक गठबंधन को अपना समर्थन दिया है, जो विकास और राष्ट्रीय उद्देश्य दोनों को असाधारण स्पष्टता के साथ व्यक्त करता है। कानून–व्यवस्था एक अन्य व्याख्या प्रस्तुत करती है। बिहार के चुनाव कभी बूथ कब्जे और हिंसा से जुड़े होते थे। हाल के वर्षों में, और खासकर इस चुनावी दौर में, ये छवियाँ काफी हद तक धुंधली पड़ गई हैं। कड़े सुरक्षा उपायों और आर्थिक विकास के संयुक्त प्रभाव से उग्रवाद कमजोर पड़ा है। व्यापारी अब अपनी दुकानें ज़्यादा देर तक खुली रखते हैं, छात्र ज़्यादा आत्मविश्वास से यात्रा करते हैं और परिवार निश्चिंत होकर सार्वजनिक जीवन का अनुभव करता है। जिस मतदाता ने इन सुधारों को देखा है, वह अपने प्रतिनिधियों को चुनते समय

इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। इन घटनाक्रमों पर विपक्ष के कुछ हिस्सों की प्रतिक्रिया चौंकाने वाली रही है। अपने समर्थन में आई कमी के कारणों पर विचार करने के बजाय, कुछ नेता चुनाव आयोग, मतदाता सूचियों या पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर ही संदेह व्यक्त कर रहे हैं। यह रवैया बिहार के मतदाताओं की बुद्धिमत्ता के साथ न्याय नहीं करता। यह इस तथ्य की भी अनदेखी करता है कि इसी संस्थागत व्यवस्था ने अन्य राज्यों में विपक्ष के पक्ष में भी नतीजे दिए हैं। मतदाता उस व्यवस्था की निंदा करने के बजाय अपनी चिंताओं के साथ अधिक गंभीर जुड़ाव की अपेक्षा करता है जिसका उसने अभी इतने उत्साह से इस्तेमाल किया है। व्यापक राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भ में, बिहार का जनादेश एक उभरते हुए पैटर्न को मजबूत करता है। ऐसे समय में जब कई लोकतंत्र ध्रुवीकरण, आर्थिक कठिनाई और संस्थागत थकान से जूझ रहे हैं, भारत ने उच्च भागीदारी, स्थिर नेतृत्व तथा विकास, समावेश और राष्ट्रीय

शक्ति पर केंद्रित नीति मार्ग पर आगे बढ़ना जारी रखा है। बिहार के परिणाम, इस विकास–पथ के लिए लोकतांत्रिक समर्थन की एक और परत जोड़ते हैं। राजनीतिक रूप से भारत के सबसे जागरूक राज्यों में से एक के मतदाता महसूस करते हैं कि उनकी प्रगति, 2047 तक एक विकसित और आत्मविश्वास से भरे भारत की ओर देश की बड़ी यात्रा के साथ जुड़ी हुई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए यह जनादेश प्रोत्साहन और निर्देश दोनों है। यह

असली खेल जाति की राजनीति का था

हरिशंकर व्यास

बिहार में अगर एक तरफ 'मुफ्त की रेवड़ीइ की बहार थी तो दूसरी ओर जाति राजनीति का दांव था। इसे भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यू ने दोनों को बराबर साधा। सरकारी खजाने से नकद पैसे और मुफ्त की सेवाएं बांट कर सरकार के प्रति बन रही नाराजगी को दूर किया गया। यह एनडीए के रास्ते की सबसे बड़ी चुनौती थी कि नीतीश कुमार की सत्ता 20 साल की हो गई और लगातार 20 साल सरकार में रहने की वजह से कहीं न कहीं लोगों में नाराजगी है या थकान और उब है। इसको दूर करने के लिए सरकारी खजाने का मुंह खोल दिया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ा कर चार सौ से 11 सौ रुपए की गई और 125 यूनिट बिजली फ्री कर दी गई। इसके बाद चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत महिलाओं के खाते में 10–10 हजार रुपए डाले गए। असल में इन तमाम योजनाओं के जरिए नीतीश या मोदी को कोई नया वोट नहीं जोड़ना था। उनको अपने पुराने वोट को साथ में बनाए रखना था। उनको पता था कि यह वोट जातिगत आधार पर या वैचारिक रूप से राजद के खिलाफ है। लेकिन वह घर न बैठे या नाराज होकर दूसरी तरफ न जाए इसलिए ये योजनाएं चलाई गईं और अंत में इनका लाभ मिला। परंतु ये तमाम योजनाएं पूरक की तरह थीं। असली खेल जाति की राजनीति का था। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि बिहार विधानसभा का यह चुनाव जाति गणना के बाद का पहला चुनाव था। जाति गणना में बिहार में जातियों की जो संख्या पता चली उसके बाद सारी जातियां अपनी संख्या के हिसाब से राजनीति में हिस्सेदारी के लिए तैयार हो गईं। कह सकते हैं कि यह नीतीश कुमार की योजना का हिस्सा था, जो उन्होंने जातियों को इतना बिखरा दिया। चूंकि इन जातियों के पास पहले से नेता नहीं थे तो स्वाभाविक रूप से नीतीश कुमार उनके नेता हुए। इसका कारण यह है कि सामाजिक स्तर पर कमजोर और कम आबादी वाली पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का टकराव यादव के साथ है। सो, पिछले 20 साल से जिस फॉर्मूले पर नीतीश कुमार राजनीति कर रहे थे उसी फॉर्मूले को उन्होंने आगे बढ़ाया।तमाम गैर यादव पिछड़ी जातियों और अत्यंत पिछड़ी जातियों को एकजुट किया और उसमें दलित व भाजपा के समर्थन से अगड़ी जातियों को जोड़ा। याद करें कैसे नीतीश कुमार 1994 में जब लालू प्रसाद से अलग हुए थे तब उन्होंने गैर यादव पिछड़ी जातियों में कोईरी, कुर्मी और धानुक की करीब 10 फीसदी आबादी का एक समीकरण बनाया था। आज तक यानी 30 साल बाद भी वह समीकरण काम कर रहा है। इसी तरह नरेंद्र मोदी के दिल्ली आने के बाद से हर चुनाव में बिहार में बताया जाता है कि वे अति पिछड़ी जाति से आते हैं। सो, नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नाम पर गैर यादव पिछड़ा व अति पिछड़ा को साथ रखना बहुत आसान हो गया।दूसरी ओर समस्या यह है कि राष्ट्रीय जनता दल अपने मुस्लिम और यादव यानी माई समीकरण से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। यह लालू प्रसाद यादव के समय से ही शुरू हुई समस्या है। जब 1990 में वे मुख्यमंत्री बने तो वे गरीबों के मसीहा थे। उसके बाद 1995 में पहली बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए तो पिछड़ों के नेता हुए और उसके बाद वे मुसलमानों और यादवों के नेता बन गए। तेजस्वी यादव लाख कोशिश करके भी इससे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। उन्होंने बार बार ए टू जेड का समीकरण बनाने की बात कही लेकिन यह एक सांस्थायिक प्रयास नहीं था। उनको लगता रहा कि वे चुनाव में टिकट दे देंगे तो जातियों का वोट उनको मिल जाएगा। इस उम्मीद में उन्होंने इस बार टिकटों में विविधता लाने का प्रयास किया। लेकिन जातियों को साधना इतना आसान नहीं होता है। उनकी अपनी जाति यानी यादव अभी तक इस माइंडसेट से नहीं निकले हैं कि उनको सत्ता से बाहर हुए दो दशक हो गए हैं। दो बार तेजस्वी उप मुख्यमंत्री बने तो वह नीतीश कुमार की कृपा थी। यादव अपने को सत्ता का स्वाभाविक दावेदार मानते हैं, जिससे उनका जमीनी स्तर पर दूसरी जातियों के साथ स्थायी टकराव बना रहता है।

तभी कह सकते हैं कि अंत में जीत उस गठबंधन की हुई, जिसके पास जातियों का बड़ा समीकरण था। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के गुलदस्ते में सभी गैर यादव पिछड़ी जातियां हैं और इस बार चिराग पासवान व जीतनराम मांझी के होने से लगभग पूरा ही दलित समुदाय भी था। सवर्ण एनडीए के स्वाभाविक मतदाता हैं।

120 बहादुर का नया पोस्टर जारी, फरहान अख्तर ने रेजांग ला लड़ाई को याद किया

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों आगामी फिल्म 120 बहादुर के प्रमोशन में जुटे हैं। निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर और गाने रिलीज कर दिए हैं, जिसे लोगों की साकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अब फिल्म का नया पोस्टर आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खास बात ये है कि 120 बहादुर का नया पोस्टर साझा करते हुए फरहान ने रेजांग ला के इतिहास को याद किया है। उनका पोस्ट लोगों का ध्यान खींच रहा है। फरहान ने 120 बहादुर का नया पोस्टर साझा करते हुए लिखा, आज से 63 साल पहले रेजांग ला में इतिहास लिखा गया था। अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित, इस कहानी को 3 दिनों में बड़े पर्दे पर देखें। जाहिर है कि भारत–चीन के बीच रेजांग ला की लड़ाई 18 नवंबर, 1962 को हुई थी। युद्ध में 120 भारतीय जवानों ने 3,000 चीनी सैनिकों का मुकाबला किया था। इसी युद्ध पर आधारित 120 बहादुर 21 नवंबर को रिलीज हो रही है। एक्सेल एंटरटेनमेंट के सीईओ विशाल रामचंदानी ने कहा, 120 बहादुर हमारे सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान का सम्मान करती है। हमें वाकई बहुत खुशी है कि जिन सैनिकों के जज्बे का यह फिल्म जश्न मनाती है, वे इसे अपने परिवारों के साथ देख पाएँगे। देश की सेवा करने वालों के लिए इस स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए पिक्चरटाइम का हम तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं।

दबंग 4 से चुलबुल पांडे की होगी वापसी, सलमान खान की फिल्म पर आई ये जानकारी

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान इन दिनों आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी। इस बीच उनकी दबंग फ्रैंचाइजी की अगली किस्त पर जानकारी सामने आई है, जिसे जानने के बाद लोगों की उत्सकुता बढ़ना लाजिमी है। दरअसल, फिल्ममेकर अरबाज खान ने दबंग 4 की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उन्होंने आश्वत किया है कि फ्रैंचाइजी अभी खत्म नहीं हुई है। दबंग 4 पर काम चल रहा है। अरबाज ने कहा, यह पाइपलाइन में है, लेकिन मुझे समय–सीमा नहीं पता। उन्होंने कहा कि अगली किस्त के बारे में सवाल अंतहीन हैं। अरबाज ने आगे कहा, तो यह मेरा जवाब है जो एक बहुत ही स्पष्ट जवाब है क्योंकि हर किसी का स्पष्ट सवाल यही होता है कि दबंग 4 कब आएगी? तो यही मेरा जवाब है। हम इस पर काम कर रहे हैं और कोई जल्दीबाजी नहीं है।

अरबाज ने अपनी बात दोहराते हुए कहा, फिल्म सही समय पर बनेगी। लेकिन यह एक ऐसी चीज है जिस पर सलमान और हम चर्चा करेंगे और करेंगे। यह जरूर बनेगी। मुझे नहीं पता कब, लेकिन जब भी बनेगी, यह एक ऐसी चीज होगी जिसका बेसब्री से इंतजार रहेगा।

एशेज सीरीज 2025—26: पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित

नईदिल्ली,इंग्लैंड क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच 21 नवंबर से एशेज सीरीज का पहला टेस्ट खेला जाना है। पर्थ में होने वाले इस मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। जेक वेदराल्ड और ब्रेंडन डॉगेट इस मुकाबले से अपना टेस्ट डेब्यू करते हुए नजर आएंगे। चोटिल जोश हेजलवुड को मौका नहीं मिला है।

टीम की कमान स्टीव स्मिथ संभालेंगे। आइए ऑस्ट्रेलिया टीम पर एक नजर डालते हैं। कंगारू टीम चोट से काफी परेशान है। पैट कमिंस भी चोटिल होने के कारण पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इंग्लैंड ने भी पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी 12 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान बेन स्टोक्स संभालते हुए नजर आएंगे। पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः जेक वेदराल्ड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव

स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉगेट। 31 वर्षीय डॉगेट ने इस संस्करण शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन किया है, जहां उन्होंने मामूली हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद 14.69 की औसत से 13 विकेट झटके हैं। उन्होंने अब तक 50 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं और इसकी 90 पारियों में 26.46 की औसत से 190 विकेट लेने में सफल रहे हैं। उन्होंने 10 बार 4 विकेट हॉल और 9 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/15 का रहा है। वेदराल्ड ने 77 प्रथम श्रेणी मुकाबले खेले हैं। इसकी 145 पारियों में 37.47 की औसत से 5,322 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 13 शतक और 26 अर्धशतक निकले है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 198 रन रहा है। 31 साल के इस खिलाड़ी ने 51 लिस्ट–ए मुकाबले भी खेले हैं। इसकी 50 पारियों में 33.37 की औसत से 1,602 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 4 शतक और अर्धशतक निकले है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 141 रन है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 361 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 152 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 185 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 99 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

मैं दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना नहीं चाहती थी, भाग्यश्री बोरसे ने बताई पूरी बात

दुलकर सलमान की पीरियड ड्रामा फिल्म कांथा को दर्शकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में 14 नवंबर को रिलीज किया गया। इस फिल्म में तमाम कलाकारों के बीच अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने किरदार कुमारी के जरिए समीक्षकों की भी तारीफ हासिल की। भाग्यश्री बोरसे ने बताया कि उनके लिए कुमारी का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था। फिल्म में एक सीन ऐसा था जिसमें उन्हें अपने को–स्टार दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना था। भाग्यश्री ने कहा, मैं इस सीन को करने के लिए तैयार नहीं थीं। मुझे अंदर से डर लग रहा था।

मैं चाहती थीं कि यह नकली लगे, क्योंकि मैंने कभी किसी को मजाक में भी नहीं मारा। ऐसे में मैं सोच रही थी कि मैं ये सीन कैसे कर पाऊंगी। वहीं दुलकर चाहते थे कि उनके चेहरे पर असली भाव आए और इसी वजह से मैंने इस सीन को आखिर में करने का फैसला लिया। भाग्यश्री ने कहा, यह सीन करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था,

एशेज सीरीज 2025: पहले टेस्ट मैच में इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजरें

नईदिल्ली, एशेज सीरीज का आगाज 21 नवंबर से पर्थ में होने जा रहा है। दोनों टीमें शुरुआत से ही बढ़त हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। हेड–टू–हेड रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का पलड़ा भारी है। उसने 152 मुकाबले जीते हैं। इंग्लैंड को 112 मैच में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में पर्थ टेस्ट से पहले उन खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं जो मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 34 टेस्ट की 65 पारियों में 2,428 रन बनाए हैं। उनकी औसत 40.46 की रही है, जिसमें 4 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। कंगारू टीम के खिलाफ ये दिग्गज खिलाड़ी 5 बार खाता खोले बिना आउट हुआ है। ऑस्ट्रेलिया में रूट ने 14 टेस्ट में 35.68 की औसत से 892 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 9 अर्धशतक निकले हैं। उन्होंने कुल 158 मैचों से 51.29 की औसत से 13,543 रन बनाए हैं।

बांग्लादेश बनाम आयरलैंडः लिटन दास ने जड़ा टेस्ट करियर का 5वां शतक

नईदिल्ली,बांग्लादेश क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने आयरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में शानदार शतकीय पारी खेली। ये उनके टेस्ट करियर का 5वां और आयरलैंड के खिलाफ पहला शतक रहा। उन्होंने साल 2025 में अपना पहला टेस्ट शतक लगाया है। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 3,000 रन भी पूरे कर लिए हैं। ऐसे में आइए उनके आंकड़ों पर नजर डालते हैं।

लिटन ने मैच के दूसरे दिन के पहले सत्र में अपना शतक पूरा किया। बांग्लादेश को मैच में शुरुआती झटके लगे थे। हालांकि, उनके मध्यक्रम के

बल्लेबाजों ने टीम को संभाल लिया। लिटन ने खराब गेंदों पर बड़े शॉट लगाए और अच्छी गेंदों का सम्मान किया। उन्होने मुशफिकुर रहीम (108) के साथ मिलकर 209 गेंदों में 108 रन की शानदार साझेदारी निभाई। रहीम अपने 100वें टेस्ट में 106 रन बनाकर आउट हुए। लिटन ने अपने टेस्ट करियर में सबसे ज्यादा रन श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ बनाए हैं। उन्होंने 11 मुकाबले श्रीलंका के खिलाफ खेले हैं और इसकी 20 पारियों में 36.75 की औसत से 735 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 1 शतक और 5 अर्धशतक निकला है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 141 रन रहा है। आयरलैंड के खिलाफ लिटन ने 3 टेस्ट की 4 पारियों में 76 से ज्यादा की औसत के साथ 220 रन से अधिक रन बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सैण गांव में अग्निवीर की ट्रेनिंग होने का पूर्व सैनिकों ने किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने ग्राम सीडीएस जनरल विपिन रावत के गांव सैण में अग्निवीर की एडवांस ट्रेनिंग होने का स्वागत किया है। कहा कि इससे पहाड़ के युवा सेना में भर्ती के लिए प्रेरित होंगे। परिषद के संरक्षक गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल ने कहा कि देश की सेवा के लिए दिए गए जनरल विपिन रावत के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि जनरल विपिन रावत मूल रूप से सैण गांव के रहने वाले थे। ऐसे में सेना ने उनके गांव की सुध ली और उसे अग्निवीर की एडवांस ट्रेनिंग के लिए चिह्नित किया है। कहा कि इससे पहाड़ के युवाओं को सेना में भर्ती की प्रेरणा मिलेगी। साथ ही पलायन से खाली हो रहे पहाड़ को भी संजीवनी मिलेगी। इस मौके पर देवेंद्र सिंह नेगी, बलवान सिंह रावत, अनिल डबराल, अनूप बिष्ट, हरीश खुगशाल आदि मौजूद रहे।

पांच चौकी इंचार्ज सहित 10 एसआई का तबादला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी ने जिले में तैनात 10 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। इसमें 5 चौकी प्रभारी भी शामिल है। एसएसपी पौड़ी सर्वेशर पंवार ने बताया कि नैनीडांडा चौकी प्रभारी प्रकाश पोखिरयाल को एसएसआई लक्ष्मणझूला बनाया गया है। वहीं लक्ष्मणझूला के एसएसआई अभिनव शर्मा अब नैनीडांडा चौकी का प्रभार देखेंगे। इसी तरह से चौकी प्रभारी कलालघाटी दीपक पंवार को चौकी प्रभारी बीरोंखाल बनाया गया है। अब तक बीरोंखाल चौकी प्रभारी का जिम्मा देख रहे पंकज कुमार को चौकी प्रभारी चीला भेजा गया है। चीला चौकी प्रभारी राजेश असवाल को चौकी प्रभारी श्रीकोट की जिम्मेदारी दी गई है। श्रीकोट के चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला को यमकेश्वर थाने में भेजा गया है। एसआई राजाराम डोभाल को कोतवाली कोटद्वार से हटाते हुए चौकी प्रभारी कलालघाटी की जिम्मेदारी दी गई है। थाना यमकेश्वर में तैनात एसआई किशन दत्त शर्मा को चौकी प्रभारी दुगड्डा की जिम्मेदारी दी गई है। कोतवाली कोटद्वार में तैनात एसआई पंकज तिवारी को थाना रिखणीखाल भेजा गया है। वहीं थाना रिखणीखाल में तैनात एएसआई संजय असवाल को पौड़ी चौकी प्रभारी बनाया गया है।

गुलदार की दहशत, कुण्जखाल में स्कूल पहुंचे 63 छात्र

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पोखड़ा ब्लॉक में गुलदार के आतंक से ग्रामीण दहशत में है। गुलदार की दहशत से ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। बुधवार को गुलदार की दहशत से पोखड़ा ब्लाक के जनता इंटर कॉलेज कुण्जखाल में एक भी बच्चा स्कूल नहीं आया था। गुरुवार को स्कूल में 63 बच्चे आए। शिक्षा विभाग ने बुधवार से बंद स्कूलों को खोल दिया था। प्रधानाचार्य कुण्जखाल विनोद लाल ने बताया है कि गुरुवार को स्कूल की छात्र संख्या 63 रही। स्कूल में 72 छात्र पंजीकृत है। बुधवार को गुलदार प्रभावित क्षेत्र के दौरे पर आए पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने शिक्षा विभाग से स्कूलों के बंद होने के समय को भी 3 बजे करने को कहा था। ब्लॉक प्रमुख पोखड़ा संजय गुंसाई ने कहा कि जहां गुलदार का डर है उन स्कूलों को लेकर कदम उठाएं जाने चाहिए, यह मांग पर्यटन मंत्री से की गई है। उधर, पोखड़ा के उप शिक्षाधिकारी मनोज जोशी का कहना है कि स्कूलों में जो बच्चे दूर के गांवों से आते है उन्हें स्कूल बंद होने के कुछ पहले छोड़ा जा सकता है। इसको लेकर स्कूलों और एसएमसी से भी बातचीत की जा रही है। ऐसे में दूर के बच्चे समय पर स्कूल से अपने घरों तक पहुंच सकते है।

डेंगू के तीन नए मरीज मिले

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर क्षेत्र में एक बार फिर डेंगू के मरीज सामने आए हैं। मरीजों का उपचार उपजिला संयुक्त चिकित्सालय श्रीनगर में चल रहा है। नगर क्षेत्र के कमलेश्वर मोहल्ला, गोला बाजार से डेंगू के तीन मरीज मिले हैं। उपजिला संयुक्त चिकित्सालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल गुसांई ने बताया कि बीते 18 नवम्बर को तीन मरीज बुखार की शिकायत को लेकर चिकित्सालय पहुंचे थे।

फिजिशियन एक, बीमार हुए अनेक

राजकीय बेस चिकित्सालय में मात्र एक फिजिशियन की तैनाती

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में फिजिशियन की कमी मरीजों पर भारी पड़ रही है। मात्र एक फिजिशियन के कंधों पर ही सैकड़ों मरीजों की जिम्मेदारी बनी हुई है। ऐसे में ओपीडी की पर्ची बनवाने के बाद भी लोगों को चिकित्सक के सलाह के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

कोटद्वार का बेस अस्पताल जहां फिजिशियन की पर्याप्त तैनाती नहीं होने से मरीज परेशान हो रहे हैं।

कलालघाटी निवासी मोहन सर्दी-जुकाम व बुखार की शिकायत होने पर उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचे थे। ओपीडी की पर्ची बनवाने के बाद फिजिशियन के कक्ष में उन्हें टोकन तो मिला। लेकिन, काफी इंतजार के बाद भी उनका नंबर नहीं आया। ऐसे में मोहन को उपचार के लिए निजी चिकित्सक की शरण लेनी पड़ी। यह स्थिति केवल राजीव ही नहीं बल्कि, बेस अस्पताल में आने वाले अधिकांश मरीजों की बनी हुई है। दरअसल, वर्तमान में बदल रहे मौसम के कारण जहां सर्दी-जुकाम व बुखार का प्रकोप है, वहीं डेंगू की मार भी आमजन झेल रहा है। लेकिन, फिजीशियन की बात करें तो मात्र एक फिजीशियन के भरोसे तमाम मरीज हैं। दरअसल, कोटद्वार बेस अस्पताल में सामान्य दिनों में चार-पांच सौ मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, इन दिनों यह संख्या छह सौ तक पहुंच गई है। जिसमें सबसे अधिक मरीज फिजिशियन की ओपीडी से संबंधित होते हैं। लेकिन, अस्पताल में फिजिशियन के स्वीकृत पांच पदों में से केवल एक पद पर ही तैनाती है। ऐसे में एक चिकित्सक पर सैकड़ों मरीजों का भार पड़ गया है। अतिरिक्त समय देने के बाद भी फिजिशियन दो-ढाई सौ मरीजों को ही देख पाते हैं। नतीजा, मरीजों को निजी क्लीनिकों की ओर दौड़ लगानी पड़ती है। स्थानीय जन लंबे समय से अतिरिक्त फिजिशियन की तैनाती करने की मांग भी उठा रहा है।

राइजिंग सन के नाम रहा वालीबॉल का फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आरसीडी पब्लिक स्कूल शिवराजपुर में आयोजित आरसी डौंडियाल मैमोरियल टूर्नामेंट का समापन हो गया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान वालीबॉल का फाइनल मुकाबला राइजिंग सन के नाम रहा।

अंतिम दिन की प्रतियोगिताओं का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

आयोजित प्रतियोगिता के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि व अन्य

कहा कि आज कई बच्चे खेल के क्षेत्र में देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। इस दौरान बास्केट बाल बालक वर्ग की प्रतियोगिता में सेंट मेरी नगीना प्रथम, हेड हेरिटेज कोटद्वार द्वितीय बालिका वर्ग में टीसीजी पब्लिक स्कूल प्रथम, कॉवेंट स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा। वालीबाल में राइजिंग सन प्रथम व नवयुग पब्लिक स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा। टेबल टेनिस में हेड हेरिटेज प्रथम व ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल द्वितीय रहा। बास्केटबाल खिलाड़ी आयुष नेगी को उदयीमान खिलाड़ी का खिताब दिया गया। इस मौके पर विद्यालय के संस्थापक डा. सुभाष चंद्र ढौंडियाल, नीना, कनिष्क ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

कशिश, निधि व खुशी को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पोखड़ा के गवाणी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से विलोचन प्रसाद नवानी स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रवृत्ति योजना के तहत कशिश, निधि व खुशी को एक लाख की धनराशि व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश के मंगलाचरण व दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमडी कुशवाहा व ग्राम प्रधान रेखा नवानी ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही महिला मंगल दलों की ओर से गढ़वाली लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी ने विचार मंच के उपलब्धियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली कृषि विश्वविद्यालय भरसार की छात्रा कशिश व निधि व कृषि महाविद्यालय चिरबटिया रूद्रप्रयाग की छात्रा खुशी को सम्मानित किया गया। प्रो. एमडी कुशवाहा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन राशि मिलने से बच्चों का मनोबल बढ़ेगा। साथ ही नौजवान युवक-युवतियों को पहाड़ के प्रति लगाव भी बढ़ेगा। इस मौके पर रघुवीर सिंह रवत, वीरेंद्र सिंह रावत, विजयानंद लिंगवाल, प्रभुशरण बुड़ाकोटी, कविता नवानी, लक्ष्मी गुसांई आदि मौजूद रहे।

मत्स्य पालन बन रहा आजीविका का सशक्त साधन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पहाड़ के दूरस्थ गांवों में मत्स्य पालन आज आजीविका का सशक्त साधन बनता जा रहा है। युवा मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपना रहे है। हर वर्ष लगभग 200 युवा मत्स्य पालन का प्रशिक्षण ले रहे है। जिले में मत्स्य उत्पादन को लेकर की जा रही पहलें अब सफलता की कहानियां लिख रही हैं। बेहतर प्रशिक्षित मत्स्य पालक, अनुकूल जलवायु और आधुनिक प्रजातियों का प्रयोग कर इन सबने मिलकर उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। साल 2024-25 में जिले का उत्पादन जहां 480 क्विंटल रहा, वहीं वर्ष 2025-26 के लिए इसे बढ़ाकर 650 क्विंटल तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिले में 530 मत्स्य विज्ञानी पंजीकृत हैं और 150 से 200 प्रशिक्षार्थी हर वर्ष मत्स्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

तीन माह से नहीं हो रही गैस की आपूर्ति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रिखणीखाल के ग्राम द्वारी क्षेत्र में पिछले तीन माह से गैस की आपूर्ति नहीं हो रही है। ऐसे में ग्रामीण लकड़ी में खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी गांव के बुजुर्ग लोगों को हो रही है। शिकायत के बाद भी सिस्टम समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। उपजिलाधिकारी को भेजे पत्र में क्षेत्रीय ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान में धुमाकोट स्थित गैस एजेंसी से इस क्षेत्र में गैस की आपूर्ति हो रही थी। लेकिन, विगत तीन माह से इस क्षेत्र में गैस की आपूर्ति ठप हो रखी है। ऐसे में ग्रामीणों को जंगल जाकर लकड़ी लानी पड़ रही है और मजबूरन लकड़ी जलाकर खाना बनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कहा कि गैस आपूर्ति न होने की सूचना से खाद्य आपूर्ति अधिकारी को अवगत करवाया जा चुका है। लेकिन, अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। उन्होंने शासन-प्रशासन से किसी अन्य किसी दूसरी एजेंसी से क्षेत्र के उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को समायोजित करवाने की मांग की है। इस मौके पर विनोद मैंदोला, पूरण सिंह नेगी, प्रीतम सिंह नेगी मौजूद रहे।

भाजपा नहीं चाहती थी लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण : हरक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस के चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. हरक सिंह रावत ने भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पर लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण की अनदेखी का आरोप लगाया। कहा कि कोटद्वार का विधायक व वन मंत्री रहते हुए उन्होंने मार्ग निर्माण के लिए काफी प्रयास किए। कहा कि सड़क निर्माण पर रोक लगने के बाद भाजपा की मौजूदा सरकार ने न्यायालय में ठोस पैरवी नहीं की है, जिस कारण सड़क मार्ग का कार्य लंबित है।

गुरुवार को हरक सिंह रावत ने चिल्लरखाल में मार्ग निर्माण को लेकर चल रहे आंदोलन को अपना समर्थन दिया। कहा कि लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग केवल कोटद्वार नहीं बल्कि पूरे उत्तराखंड के विकास के लिए जरूरी है। पिछली भाजपा सरकार में वन मंत्री रहते उन्होंने लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए धन स्वीकृत करवाकर निर्माण कार्य शुरू करवाया गया।

मार्ग निर्माण को लेकर चल रहे आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे डा. हरक सिंह रावत

मार्ग पर करीब 80 प्रतिशत निर्माण कार्य भी हो चुका था। लेकिन, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने निर्माण कार्य रुकवा दिया।

जिससे सड़क निर्माण का कार्य अधर में लटक गया। कहा कि लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग कोई नया मार्ग नहीं है। इस मार्ग पर वन अधिनियम लागू होने से पूर्व वर्ष 1978-79 में वन विभाग की तरफ से निर्माण कार्य कराया जा चुका है। कहा कि इस सड़क का सिर्फ जीर्णोद्धार होना है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व क्षेत्रीय विधायक ऋतु खंडूडी भूषण से सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने का आग्रह किया। कहा कि यदि प्रदेश सरकार चाहे तो उच्चतम न्यायालय में लगी रोक को हटाया जा सकता है। कहा कि न्यायालय में ठोस पैरवी करवाने की आवश्यकता है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, गोपाल गुसांई, राजाराम अण्थ्वाल, हेमा नेगी, रवींद्र सौंद, प्रवीण थापा, देवेंद्र रावत, सुशीला जोशी, इंदू नौटियाल सहित कई अन्य मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में वेलर हाउस रहा प्रथम

विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : हैप्पी होम स्कूल में वार्षिक एथलेटिक का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रतियोगिताओं में वेलर हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की निर्देशिका उषा सिंह, पंजाब नेशन बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक अंकुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अनुशासन की सीख दी। इसके उपरांत मार्च पास्ट किया गया। बच्चों ने सटीक कदमताल से दर्शकों का मन मोह लिया। इसके उपरांत बच्चों के लिए ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक सहित अन्य प्रतियोगिताएं हुई। प्रतियोगिता में वेलर हाउस प्रथम, हार्मनी हाउस द्वितीय व विक्ट्री हाउस तृतीय रहा। व्यक्तिगत श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्रा सिया रावत को लेट कुंवर राज सिंह मेमोरियल ट्राफी दी गई। वहीं, बालक वर्ग में यह ट्रॉफी आशुतोष सिंह को दी गई।

शौचालय में घुसा गुलदार, वापस जंगल में भगाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पर्वतीय क्षेत्रों में जंगली जानवरों की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही। प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत ग्राम कठूली में शौचालय में घुसे गुलदार को ग्रामीणों ने पटाखे फोड़ जंगल की ओर भगाया।

चौबट्टाखाल विधानसभा के पोखड़ा व एकेश्वर प्रखंडों में लगातार गुलदार का आतंक बना हुआ है। इन प्रखडों में गुलदार कई हमले कर चुका है। ग्रामसभा कठूली, डोबल, बग्याली, नाव में भी दिनदहाड़े गुलदार नजर आ रहे हैं। बीती शाम करीब छः बजे ग्राम कठूली निवासी नरेंद्र सिंह की बकरी का पीछा करते हुए गुलदार घर के निकट बनें शौचालय में जा घुसा। ग्रामीणों ने शोर मचाकर व पटाखे फोड़ गुलदार को गौशाला से बाहर निकाल जंगल की ओर भगाया। ग्रामसभा कठुली निवासी नरेंद्र सिंह, हरेंद्र सिंह, बग्याली निवासी सत्यप्रसाद धस्माना ने बताया कि गुलदारों के आंतक के कारण अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय भेजने में डर रहे हैं। दिन ढलते ही ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हैं। पूर्व ब्लाक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी ने कहा कि गुलदारों का आतंक लगातार जारी है।

वन विभाग के पास पिजड़ों की कमी है। साथ ही स्टाफ की भी कमी है। नतीजा, कर्मचारी समय से गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में नहीं पहुंच पा रहे। उन्होने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से क्षेत्र में वन विभाग के कार्यालयों मे अतिरिक्त पिजड़े मुहैया कराने की मांग की है।

अर्हत ने राज्य का नाम किया रोशन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सेंट थॉमस स्कूल के कक्षा 2 के छात्र अर्हत बमराड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रील/शॉर्ट्स प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर स्कूल और राज्य का नाम रोशन किया है। अर्हत ने अपनी रचनात्मकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करते हुए शॉर्ट रील के माध्यम से साइबर सुरक्षा के महत्व को उजागर किया। उनके प्रयासों को जूरी ने सराहा और उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पुरस्कार प्रदान किया गया। यह प्रतियोगिता साइबर सुरक्षित भारत के विषय पर आयोजित की गई थी, जो राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और डिजिटल दुनिया में सुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित करना था।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने विक्रेता श्री दीवान सिंह रावत पुत्र श्री खुशाल सिंह रावत निवासी ग्राम उदयरामपुर, पट्टी मोटाढांक, तहसरील कोटद्वार गढ़वाल वालों से दिनांक 19-05-2025 को बजरिये बैनामा से उक्त विक्रेता के हक हिस्से कब्जे की क्रय भूमि ग्राम त्रिलोकपुर, वार्ड नंबर 35, पट्टी मोटाढांक, तहसील कोटद्वार गढ़वाल के खाता सं0 08 के खसरा नं0 59 मध्ये रकवा 184.66 वर्ग मीटर भूखण्ड क्रय किया था, जिसका बही सं. 1 जिल्द 2632 के पृष्ठ 219 से 238 पर क्रमांक 2132 दिनांक 19-05-2025 पर पंजीकृत है। उक्त बैनामा से हमारा कोई सम्बन्ध नहीं रहा। उक्त बैनामा को निरस्त समझा जाय।

कुलदीप सिंह चौहान पुत्र बूथे सिंह निवासी निकट गुरूरामराय कॉलोनी पदमपुर सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1516/21)

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेण्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेण्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या	239-DRM-MB-25-26 Dt. 20.11.2025
कार्य का नाम	Conducting "Continuous Scour Monitoring" of foundations using SONAR echo range technology by Airmar Echo Range SS510 Smart sensor or similar equipment of bridge no. 52 (MB-GZB) section
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	15.12.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	65,98,662.98
धरोहर राशि	1,32,000.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	02.12.2025

टेन्डर नं. Sr.DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक 20.11.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3619/25

उत्तर रेलवे

अधिसूचना

विषय – सेवाओं की आवश्यकताओं में सेवा निवृत्त रेल कर्मचारियों की री-इंगेजमेंट संकेत एवं दूरसंचार विभाग मुरादाबाद में।

रेलवे बोर्ड के पत्र सं No. E(NG)II/2024/RC-4/9 dated 15.10.2024 (RBE No. 96/2024) एवं No.E (NG)II/2024/RC-4/9 dated 20.06.2025 (RBE No. 55/2025) के अन्तर्गत यह विनिश्चय किया गया है कि निम्नलिखित पदों में रेल सेवा से सेवा निवृत्त कर्मचारियों को रि- इंगेज किया जाना है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

क्रम सं.	विभाग	पद का नाम	लेवल	पदों की संख्या
1	सिग्नल एवं दूर संचार	एस.एस.ई./सिगनल	8	01
2		एस.एस.ई./सिगनल	7	02
3		जेई/सिगनल	6	08
4		एस.एस.ई./टेली	8	02
5		एस.एस.ई./टेली	7	02
6		जेई/टेली	6	11
		कुल		26

अभ्यावेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 15.12.2025 है। अंतिम तिथि 15.12.2025 के बाद प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा, अभ्यावेदन निर्धारित प्रपत्र पर भरा हुआ मान्य होगा। आवेदन प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी उत्तर रेलवे मुरादाबाद को रजिस्टर्ड डाक या एकल खिड़की (EGRS) पर दिनांक 15.12.2025 सायं 18.00 बजे तक जमा करा सकते हैं। अन्य विस्तृत सूचना एवं जानकारी के लिए N.Rly. website www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

प्रवर मंडल कार्मिक अधिकारी
उत्तर रेलवे मुरादाबाद

3596/25 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

निबंध में पूनम, सामान्य ज्ञान में सारिका ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं एंटी ड्रग सेल के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. छाया सिंह ने महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस मौके पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में पूनम, ऑनलाईन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सारिका रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए हमें एकजुट होकर काम करना होगा।

युवाओं को नशे के प्रति जागरूक करना होगा एवं नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देनी होगी। एंटी ड्रग सेल के नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत ने कहा कि वर्तमान समय में नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई बन चुकी है जो व्यक्ति के सामाजिक, मानसिक एवं आर्थिक जीवन को ही नहीं बल्कि पूरे समाज व राष्ट्र को प्रभावित करती है। ऐसी स्थिति में समाज को नशा मुक्त बनाने में युवा अपनी उर्जा से सकारात्मक बदलाव ला सकते है। इस मौके पर नशा मुक्त अभियान में छात्रों और युवाओं की भागीदारी विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में पूनम एमए प्रथम सेमेस्टर, नीलम बीए प्रथम सेमेस्टर, आनन्द, ऑनलाईन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सारिका रावत बीएससी तृतीय सेमेस्टर, जिया बिष्ट बीए प्रथम सेमेस्टर, लक्ष्मी एवं नीलम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डॉ. जूली, डॉ. सुधीर सिंह रावत, डॉ. नीरज असवाल, डॉ. विकास प्रताप सिंह, डॉ. जया कृष्ण, डॉ. हरिओम रावत, डॉ. बचन सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. गिरीश चन्द्र आर्य, डॉ. भुवन मेलकानी, धर्मेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

पोखड़ा ब्लॉक का राप्रावि बासई का पंचायत घर में संचालन शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जिले के पोखड़ा ब्लाक में गुलदार की दहशत थमने का नाम नहीं ले रही है। गुलदार की दहशत के बाद राजकीय प्राथमिक विद्यालय बासई तल्ली को गांव के ही पंचायत भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। इस स्कूल को पंचायत भवन पर संचालित करने के लिए एसएमसी ने शिक्षा विभाग से मांग की थी। इस प्रस्ताव के बाद प्राइमरी स्कूल को गांव के पंचायत भवन पर संचालन को लेकर उप शिक्षा अधिकारी ने अनुमति दे दी है। बता दें कि पोखड़ा ब्लाक के बगड़ीगाड़ गांव में बीती 13 नवंबर को एक महिला को गुलदार ने निवाला बना लिया था। साथ ही दो दिन बाद ही घंडियाल गांव में भी एक अन्य महिला को गुलदार ने घायल किया था। गुलदार के इन हमलों के बाद चार दिन तक ब्लाक के 12 स्कूलों पठन-पाठन के लिए बंद रहे। बुधवार को इन स्कूलों को दुबारा खोल दिया गया था। इस बीच बासई प्राइमरी स्कूल अब गांव के ही पंचायत भवन पर गुरुवार से संचालित होना शुरू हो गया। हालांकि पोखड़ा के ब्लॉक प्रमुख संजय गुंसाई पहले ही गुलदार प्रभावित स्कूलों को शिफ्ट करने की मांग कर चुके है। ब्लाक प्रमुख संजय गुंसाई ने बताया कि अभी और भी प्रस्ताव जल्द एसएमसी के माध्यम से शिक्षा विभाग को दिए जा रहे हैं, ताकि इन स्कूलों को भी सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा सके। उप शिक्षाधिकारी पोखड़ा मनोज जोशी ने बताया कि बासई में 3 छात्र हैं और एक शिक्षक तैनात है। इस स्कूल को पंचायत भवन पर संचालन की अनुमति दी गई है। स्कूल तब तक यही संचालित होगी जब तक कि क्षेत्र में गुलदार का भय बना हुआ है और इसके बाद पुनः स्कूल अपने ही भवन पर चलेगी। उप शिक्षाधिकारी जोशी के मुताबिक एक ही स्कूल का प्रस्ताव शिफ्टिंग को लेकर मिला, उसे अनुमति दे दी गई है। यदि अन्य कोई प्रस्ताव आते हैं तो विभाग उस पर भी विचार करेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम महिपाल सिंह पुत्र स्व0 सोहन सिंह नेगी से बदलकर महिपाल सिंह नेगी पुत्र स्व0 सोहन सिंह नेगी रख लिया है। मुझे महिपाल सिंह नेगी पुत्र स्व0 सोहन सिंह नेगी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

महिपाल सिंह नेगी पुत्र स्व0 सोहन सिंह नेगी निवासी नेगी भवन, सिद्धबली मार्ग, कोतवाली के पीछे, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(1515/21)

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद-244001 द्वारा निविदाकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा	बयाना राशि रु.	अनुमानित मूल्य रु.	निविदा खुलने की तिथि
01	97255540	हाइड्रोलिक रेलिंग उपकरणों की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग सहायक उपकरण और संलग्न विनिर्देश के अनुसार	03 Set	4,63,610/-	2,31,90,540/-	16-DEC-25 11:00 AM

नोट: पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को ई- टेंडर में भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आईटी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास III डिजिटल प्रमाण पत्र, यदि पहले से प्राप्त नहीं किया है, प्राप्त करना होगा। मैन्युअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

पत्र सं.: 50-S/LP/2025 दिनांक: 20.11.2025 3615/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

11 मकान मालिकों का काटा चालान

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने गुरुवार को नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान 11 मकान मालिकों द्वारा किरायेदारों का सत्यापन न कराने पर पुलिस ने 1 लाख 10 हजार रूपये के चालान किये। श्रीनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार के दिशा-निर्देशन में पुलिस प्रशासन ने गुरूवार को नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सत्यापन की कार्यवाही की। बताया कि श्रीनगर क्षेत्र में निवासरत बाहरी व्यक्तियों, मजदूरों के सत्यापन के लिए 2 टीमें गठित कर कार्यवाही की गयी। बताया कि पुलिस ने अपर रोड़, हनुमान मन्दिर, टम्टा मोहल्ला, अलकनन्दा विहार, एजेन्सी मोहल्ला, गुरुद्वारा रोड़ में सत्यापन अभियान चलाते हुए 135 किरायादारो, मजदूरों का भौतिक सत्यापन किया। बताया कि 11 मकान मालिकों द्वारा किरायादारों का सत्यापन न कराने पर 83 पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए 1 लाख 10 हजार रूपये के चालान किये गये हैं। बताया कि सत्यापन अभियान आगे भी जारी रहेगा। (एजेंसी)

दीक्षांत समारोह के लिए 572 छात्रों ने कराया पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि का दिसंबर में प्रस्तावित दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने को लेकर 572 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए 453 पीजी छात्र एवं 119 पीएचडी छात्र-छात्राएं शामिल हैं, जबकि गोल्ड मेडल पाने वाले छात्रों में 63 पंजीकरण ही हो पाए हैं। दिसम्बर माह में प्रस्तावित समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान को बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि द्वारा आमंत्रित किया गया है। इसके लिए उनकी ओर से भी सहमति भी प्रदान की गई है, लेकिन समारोह की तिथि अभी निर्धारित नहीं है। समारोह के सह संयोजक प्रो. वाईपी रैवानी ने बताया कि दीक्षांत समारोह को इस बार और भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

लोक अदालत 13 दिसंबर को

श्रीनगर गढ़वाल : न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीनगर में 13 दिसंबर को होने वाली लोक अदालत को लेकर तहसील विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं सिविल जज अलका की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। बैठक में सिविल जज अलका ने अधिक से अधिक वादों का निस्तारण करने पर चर्चा की। बैठक में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेश चंद्र जोशी, संरक्षक अनूप श्री पांथरी, महेन्द्र पाल सिंह रावत, देवी प्रसाद खरे, ब्रह्मानंद भट्ट, कुलदीप रावत, पूनम हटवाल, रोशनी रतूड़ी, प्रियंका रॉय, मानव बिष्ट, प्रीति बिष्ट आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

उत्तराखंड अंतर डायट स्पोर्ट्स मीट में पिथौरागढ़ बना चैंपियन

नई टिहरी। उत्तराखंड अंतर डायट स्पोर्ट्स मीट 2025 में पिथौरागढ़ जनपद ओवरआल चैंपियन बना। विजेता टीम सहित अलावा सिंगल और डबल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। डायट में आयोजित प्रतियोगिताओं का जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने समापन किया। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं। बताया कि वह भी स्वयं शूटिंग की खिलाड़ी रह चुकी हैं। कहा कि टिहरी में खेल के विकास के लिए कार्य किए जाएंगे। प्राचार्य हेमलता भट्ट ने सफल आयोजन पर फैकल्टी मेंबर्स और सभी का आभार जताया। कहा कि इस माह वह सेवानिवृत्त हो रही हैं, ऐसे में यह प्रदेशस्तरीय आयोजन उनके लिए यादगार साबित होगा। उन्होंने नई टिहरी में बहुद्देशीय हाल और खेल मैदान बनाने की मांग रखी। कार्यक्रम समन्वयक डा वीर सिंह रावत ने बताया कि 16 अंकों के साथ पिथौरागढ़ पहले, 13 अंक लेकर अल्मोड़ा दूसरे स्थान पर रहा। टेबल टेनिस बालक वर्ग में मेजबान टिहरी के नवीन विजेता व दीपक बागेश्वर उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में उत्तरकाशी की निशा चौहान विजेता और नैनीताल की शगुन बोरा उपविजेता बनी। बैडमिंटन बालक वर्ग सिंगल में चमोली के मनीष बिष्ट विजेता, पिथौरागढ़ के शांतनु सिंह उपविजेता, डबल्स में पिथौरागढ़ के सुनील और शांतनु की जोड़ी विजेता, जबकि चमोली के मनीष और सुबोध की जोड़ी उपविजेता, बैडमिंटन बालिका वर्ग सिंगल में अल्मोड़ा की स्नेहा रजवार विजेता, देहरादून की कौमुदी उपविजेता, डबल्स में अल्मोड़ा की स्नेहा रजवार व आरती की जोड़ी विजेता, जबकि चमोली की गुंजन और आईसा उपविजेता बनी।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा पार्किंग के कार्य को [illegible] के माध्यम से मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठेके पर देने हेतु ई-बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 08.12.2025 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
उ. रे., मुरादाबाद

3614/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से, उप मुख्य अभियन्ता / निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

1	कार्य का नाम व स्थान	उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के कार्य क्षेत्र में मुरादाबाद मंडल के मुरादाबाद-सहारनपुर सेक्शन में [illegible] स्टेशन के बीच ब्रिज नं. 1248 पर गाइड बंध के किनारे द्वारा संरक्षण कार्य और अन्य संरक्षण कार्य के सम्बन्ध में "[illegible]"
2	कार्य पूरा करने की अवधि	06 (छः) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रू. 2240.22 लाख
4	जमा की जाने वाली जमानत राशि	रू. 12,72,000.00
5	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की वृहत जानकारी	ई-निविदा प्रपत्र की वृहत सूचना उत्तर रेलवे कि वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर दिनांक 20.11.2025 से दिनांक 12.12.2025 को 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उपर्युक्त टेण्डर के सम्बन्ध में अन्य सभी नियम व शर्तें टेण्डर डॉक्यूमेंट में दी गई हैं। निविदा सूचना कि वृहत जानकारी कार्यालय में निविदा सूचना बोर्ड से भी की जा सकती है।
6	अन्तिम तिथि/ ई-निविदा अपलोड करने की तिथि	12.12.2025 को 11:30 बजे तक। ई-निविदा दिनांक 20.11.2025 से 12.12.2025 को 11:30 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
7	ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	टेक्निकल कम कमर्शियल बिड दिनांक 12.12.2025 को 11:30 बजे तक ई-टेण्डर अपलोडिंग बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जाएगी। योग्य टेंडरर की फाइनेन्शियल बिड कार्यालय द्वारा दी गई दिनांक व समय की सूचना के आधार पर बाद में खोली जाएगी।

निविदा सूचना सं. 1-डब्लू-टेण्डर-282-उप मु.अभि. नि. मुरादाबाद दिनांक- 20.11.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3609/25

जनभागीदारी से निखरता शहर का गौरव : सीडीओ

शरदोत्सव 2025 : परंपरा, पर्यटन और प्रतिभा का संगम ,रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ तीन दिवसीय शरदोत्सव का आगाज ,स्कूली बच्चों ने झांकियों के माध्यम से दिया स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : नगर पालिका परिषद पौड़ी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पौड़ी शरदोत्सव का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ आगाज हो गया। विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं ने रूट मार्च व झांकी निकालकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। स्कूली बच्चों ने झांकियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। वार्ड संख्या तीन, पांच, आठ और नौ के लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति और लोक परंपराओं पर आधारित झांकियों की आकर्षक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। शरदोत्सव के सफल आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो संदेश के माध्यम से जनपदवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने शरदोत्सव को पौड़ी की सांस्कृतिक अस्मिता, लोक परंपराओं और जनभागीदारी का उत्सव बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय उत्पादों के संवर्धन में महत्वपूर्ण हैं।

गुरुवार को पौड़ी में चार दिवसीय शरदोत्सव का रंगारंग आगाज हो गया। शहर के नेहरू मोंटेसरी स्कूल, सेंट जेम्स स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, हिल्स इंटरनेशनल, डीएवी इंटर कॉलेज, सेंट थॉमस, मैसमोर इंटर कॉलेज, राजमती देवी सरस्वती विद्या मंदिर, गुरु रामराय पब्लिक स्कूल, भगतराम स्कूल, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज आदि स्कूलों के बच्चों ने शहर में मार्च पास्ट के साथ झांकियां निकाली। शरदोत्सव में बाल विकास विभाग, एनआरएलएम/एनयूएलएम, भारतीय डाक विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग आदि विभागों द्वारा स्टॉलों के माध्यम से लोगों को योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत ने शरदोत्सव का उदघाटन करते हुए कहा कि सांस्कृतिक संरक्षण व पर्यटन को बढ़ावा देने वाले ऐसे भव्य कार्यक्रमों में आगे भी जिला प्रशासन का सहयोग निरंतर जारी रहेगा।

कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों और युवाओं को अपनी विविध प्रतिभाओं को प्रस्तुत करने का मंच मिलता है, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता पर आधारित ऐसे आयोजन सामाजिक सौहार्द को मजबूत करते हुए विकास के नए आयाम स्थापित करते हैं। कहा कि जनभागीदारी से शहर का गौरव निखरता है। शरदोत्सव 2025 परंपरा, पर्यटन और प्रतिभा का संगम है। जिला पंचायत अध्यक्षा रचना बुटोला ने कहा कि शरदोत्सव जैसे आयोजन समूचे जनपद को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोते हैं। कहा कि पर्वतीय संस्कृति को नए आयाम देने और स्थानीय शिल्प, कला व लोक परंपराओं को प्रोत्साहन देने में ऐसे उत्सव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख अस्मिता नेगी, व्यापार सभा अध्यक्ष विनय शर्मा, प्राचार्य भातखण्डे संगीत महाविद्यालय अनिल बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी नागेंद्र बर्थवाल, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष जसपाल सिंह नेगी व राजेन्द्र टम्टा, व्यापार संघ पौड़ी के सचिव देवेंद्र रावत, कोषाध्यक्ष दिलबर सिंह भंडारी आदि मौजूद थे।

शरदोत्सव से पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

नगर पालिकाध्यक्ष हिमानी नेगी ने कहा कि पौड़ी शरदोत्सव नगर की सामूहिक ऊर्जा, सृजनशीलता और प्रगतिशील सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए किए जा रहे प्रयासों में जनता का सहयोग अमूल्य है। कहा कि शरदोत्सव न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देता है बल्कि नगर के पर्यटन आकर्षण को भी नई पहचान प्रदान करता है, जिससे आर्थिक व सामाजिक विकास को गति मिलती है।

स्थानीय उत्पादों की खरीदारी

शरदोत्सव में बाल विकास विभाग, एनआरएलएम/एनयूएलएम, भारतीय डाक विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग आदि विभागों के स्टॉलों का मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत द्वारा अवलोकन किया गया। आगंतुकों ने विभागीय स्टॉलों से महत्वपूर्ण जानकारी, योजनाओं के लाभ एवं स्थानीय उत्पादों की खरीद का भरपूर लाभ उठाया।

कल्जीखाल में बहुउद्देशीय साधन समितियों के चुनाव निर्विवाद सम्पन्न

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल में गुरूवार को हुए बहुउद्देशीय साधन समितियों के चुनाव निर्विवाद सम्पन्न हो गए है। निर्वाचन अधिकारी/एडीओ सहकारिता उदय सिंह राणा ने समितियों में तैनात सभी निर्वाचन अधिकारियों एवं समितियों के सचिवों और निर्वाचित हुए सभी सभापतियों, उपसभापतियों, संस्थाओं में जाने वाले सभी डेलीगेटों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से समय से पहले विकासखंड कल्जीखाल में बहुउद्देशीय साधन समितियों निर्विवाद चुनाव संपन्न हो गये है।

क्षेत्रीय चुनाव अधिकारी एडीओ सहकारिता कल्जीखाल उदय सिंह राणा ने बताया विकासखंड कल्जीखाल में 7 समितियों में सभापति, उपसभापति और सभी बहुउद्देशीय साधन समितियों के संचालन मंडल में उत्तराखंड शासन से एक-एक नामित सदस्य नामित किया गया है। बहुउद्देशीय साधन सहकारी कल्जीखाल श्रीमती बीना देवी, मिर्चोड़ा नरेशचंद्र, बिलखेत श्रीमती सुरेनी देवी, चामी रश्मि देवी, बनेखखाल प्रेम सिंह नेगी, घंडियाल श्रीमती नीतू लिंगवाल अगरोड़ा,श्रीमती मीना देवी,वही नामित सदस्यों में नरेंद्र सिंह कल्जीखाल, अनिल सिंह मिरचोड़ा, जगमोहन सिंह घंडियाल, गिरीश नैथानी बनेखखाल, अरुण नैथानी अगरोड़ा, सुभाष डोभाल बिलखेत को नामित किया गया है। इसके अलावा सभी समितियों से डीसीबी बैंक डेलीगेट के लिए 6-6 सदस्यों क्रय विक्रय पौड़ी, 6-6 सदस्यों और डीसीडीएफ कोटद्वार 2-2 सदस्यों को डेलीगेट बनवाया गया। सभी पदों पर निर्विवाद शांति पूर्वक चुनाव सम्पन्न हुआ।

मांगों पर कार्रवाई न होने पर भड़के गुरिल्ला

श्रीनगर गढ़वाल : नौकरी, पेंशन और आश्रित हितों को लाभ दिए जाने की मांग को लेकर एसएसबी गुरिल्ला स्वयं सेवकों की बैठक हुई। गुरुवार को कीर्तिनगर स्थित मोलू भरदारी पार्क में हुई बैठक में गुरिल्लों ने तीन सूत्रीय मांगों पर कार्यवाही न होने पर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया।

टिहरी जिला मीडिया प्रभारी अनिल प्रसाद भट्ट ने कहा कि विगत 20 सालों से तीन सूत्रीय मांगों को लेकर गुरिल्ला आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार आश्वासन पर आश्वासन देने का कार्य कर रही है। कहा कि मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से लेकर सचिव सहित तमाम आला अधिकारियों से वार्ता की जा चुकी है, बावजूद भी कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। कहा कि यदि 20 जनवरी 2026 तक तीन सूत्रीय मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो फरवरी माह में बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

कैलापीर बग्वाल में मेलार्थियों ने लगाई आस्था की दौड़

नई टिहरी। टिहरी भिलंगना ब्लॉक के बूढ़ाकेदार में आयोजित गुरु कैलापीर बग्वाल मेला का तीसरा दिन श्रद्धा और उल्लास से सराबोर रहा। क्षेत्र के प्रसिद्ध आराध्य देवता गुरु कैलापीर के मंदिर से देव निशान निकालने की परंपरा के साथ श्रद्धालुओं ने पुंडारा के सेरा में आस्था की दौड़ लगाई। जयकारों और सीट बजाने की गूंज के बीच पुआल फेंकते हुए श्रद्धालुओं ने देवता से आशीर्वाद की कामना की। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। ढोल-दमाऊंकी थाप पर देवता के बाहर आने का आह्वान किया गया। दोपहर करीब सवा एक बजे पश्वा ने मंदिर की खिड़की से 20 फीट लंबा चांदी का निशान बाहर निकाला, जिसे लेकर सैकड़ों श्रद्धालु खेतों की ओर दौड़ पड़े। परंपरा अनुसार सात बार दौड़ लगाने के बाद निशान को फूल और पुआल अर्पित कर मूल स्थान पर स्थापित किया गया।

इससे पूर्व बुधवार रात को बड़ी दीपावली के अवसर पर ग्रामीणों ने सामूहिक दीपावली खेली, जिसमें भैलों के साथ दीपों की जगमगाहट ने पूरे क्षेत्र को रोशन कर दिया। मेले में स्थानीय लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिससे माहौल और भी रंगीन हो गया। मुख्य अतिथि विधायक शक्ति लाल शाह ने क्षेत्रीय विकास योजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि गुरु कैलापीर मेला पहाड़ की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है। उन्होंने बूढ़ाकेदार धाम को धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करने की बात कही। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष भूपेंद्र नेगी, ब्लॉक प्रमुख कंडारी, पलायन निवारण आयोग के सदस्य रामप्रकाश पैन्यूली, जिला पंचायत सदस्य मकानी देवी सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : कैबिनेट मंत्री एवं श्रीनगर विधायक डॉ. धन सिंह रावत के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट एवं टिप्पणी पर भाजपाइयों ने कोतवाली श्रीनगर पहुंचकर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पुलिस को सौंपे पत्र में भाजपा के जिला महामंत्री गणेश भट्ट और भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय घिल्ड़ियाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक आईडी से कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के प्रति गैर जिम्मेदाराना पोस्ट की गई है। कहा कि इस तरह की टिप्पणी से कैबिनेट मंत्री की छवि धूमिल की जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। (एजेंसी)

भालू के हमले में गंभीर घायल, हेलीकॉप्टर से भेजा एम्स ऋषिकेश

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : गंभीर रूप से घायल श्रीमती रामेश्वरी देवी, ग्राम पाव, विकासखंड पोखरी को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर हेलीकॉप्टर से ऋषिकेश एम्स रेफर किया गया। प्रशासन और चिकित्सा टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एयरलिफ्ट की व्यवस्था सुनिश्चित की।

प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने वन विभाग के अधिकारियों को भालू प्रभावित क्षेत्रों में भालू के आक्रमण की रोकथाम हेतु तकनीकी टीम सक्रिय रखने के निर्देश दिए। उन्होंने रात्रि व प्रातः नियमित गश्त करने और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। जानकारी के अनुसार बीती बुधवार शाम को चारा लेने गई महिला पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। वन विभाग व पुलिस द्वारा सर्च अभियान चलाये जाने के बाद गुरूवार सुबह लापता महिला रामेश्वरी देवी जंगल में घायल अवस्था में मिलीं। गुरूवार सुबह दोबारा शुरू हुए सर्च अभियान में महिला बामनाथ-पोखरी मोटर मार्ग से करीब ढाई किलोमीटर दूर, 70-80 मीटर खड़ी ढलान पर बांज के पेड़ के पास मिलीं। रेस्क्यू टीम ने स्टेचर की मदद से महिला को निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से ऋषिकेश एम्स भेजा गया है।

धूमधाम से मनाई गई मंगसीर की बग्वाल

नई टिहरी। जौनपुर विकासखंड क्षेत्र में बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मंगसीर की बग्वाल मनाई गई। तीन दिवसीय मंगसीर बग्वाल का गुरुवार को ब्रताताणी (रस्साकस्सी) के साथ समापन हुआ। जौनपुर के साथ ही रवाईं-जौनसार और उत्तरकाशी में राष्ट्रीय दीपावली के ठीक एक माह पश्चात मंगसीर बग्वाल मनाई जाती है। इस बग्वाल को क्षेत्र के लोग बड़ी तन्मयता से मनाते हैं। क्षेत्र के नौकरीपेशा लोग जो दूर-दराज या देश-विदेश में रहते हैं, वह भी इस दिवाली को मनाने अपने घर आते हैं। क्षेत्र के पूर्व जेस्ट उप प्रमुख महिपाल सिंह रावत, पूर्व प्रधान विजेंद्र सजवाण, कृपाल सिंह रावत मालचंद पंवार, रत्नमणी गौड़, प्रेम सिंह राणा का कहना है कि, इस दीपावली को मनाने के दो मुख्य कारण है, पहला प्राचीन समय में वीरभड़ माधौ सिंह भंडारी के तिब्बत विजय से 1 महीने देर से आने पर तत्कालीन गढ़वाल के राजा के निर्देश अनुसार यह दीपावली मनाए जाने की परंपरा है। दूसरा कारण राष्ट्रीय दीपावली के समय पहाड़ों में खेती-बाड़ी का कार्य होता है, उस समय यहां के लोग इस दीपावली को पूरे उत्साह से नहीं मना पाते हैं। जिस कारण यह मंगसीर की दीपावली मनाने की परंपरा शुरू हुई।

छात्र समाज में सकारात्मक बदलाव के बनेंगे आधार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद मुख्यालय के पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय पौड़ी में बाल सुरक्षा, संरक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बच्चों को बाल यौन शोषण, बाल विवाह, बाल श्रम एवं मानव तस्करी से सुरक्षा, अपराध की पहचान व रिपोर्टिंग और आपातकालीन सहायता में चाइल्ड लाइन 1098, साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी दी।

जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार ने कहा कि यह प्रतियोगिताएं केवल पुरस्कार के लिए नहीं, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में हमारे विश्वास का प्रतीक है। कहा कि आज के प्रतिभागी छात्र भविष्य के जागरूक नागरिक हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार बनेंगे। इस मौके पर कक्षा 9 व 10 के छात्रों के लिए ह्नबाल विवाह और भारतीय समाजह्न तथा ह्नगरीबी और बाल शिक्षा पर उसका प्रभाव विषय और कक्षा 11 व 12 के छात्रों के लिए सोशल मीडिया की भूमिकाः बाल दुर्व्यवहार और बाल अधिकार, क्या बच्चा घर और स्कूल में सुरक्षित है तथा मीडिया की भूमिकाः बाल अधिकारों की जागरुकता बढ़ाने विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अनीता बिष्ट, संरक्षण अधिकारी प्रज्ञा नैथानी, अधिकार मित्र बबीता, निशा, मनोज पाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

स्थानीय आजीविका बढ़ाने हेतु स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने पर जोर

मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न स्थलों का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : मुख्य विकास अधिकारी रुद्रप्रयाग राजेन्द्र सिंह रावत ने गुरूवार को जनपद के विभिन्न पर्यटन स्थलों एवं पर्यटन विभाग की परिसंपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उनका उद्देश्य इन परिसंपत्तियों के बेहतर उपयोग, स्थानीय समुदाय की आय में वृद्धि, तथा पर्यटन सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की संभावनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना रहा।

गुलाबराय में पर्यटन विभाग द्वारा स्थापित म्यूजियम एवं उसके प्रथम तल पर निर्मित बहुउद्देशीय हॉल का निरीक्षण करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्रामोत्थान परियोजना के माध्यम से कैफे संचालन प्रारम्भ किया जाए। इससे जहां आगंतुकों को स्थानीय उत्पादों का स्वाद मिलेगा, वहीं स्थानीय समूहों को आजीविका के नए अवसर प्राप्त होंगे। गढ़वाल मंडल विकास निगम, रुद्रप्रयाग के परिसर में निर्मित लकड़ी के भवन का निरीक्षण कर उन्होंने निर्देशित किया कि यहां स्थानीय उत्पादों का आउटलेट तथा ट्राउट फिश सेल काउंटर स्थापित किया जाए। यह संचालन स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे पहाड़ी उत्पादों को बाजार उपलब्ध होगा और महिला समूह आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। मुख्य विकास अधिकारी ने जवाड़ी बाइपास स्थित पर्यटन विभाग के टूरिस्ट व्यू पॉइंट का निरीक्षण कर जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामोत्थान रुद्रप्रयाग को निर्देश दिये कि यात्रा सीजन में यहां आने वाले यात्रियों के लिए खाद्य एवं पेय पदार्थों की सुविधा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए।

यह स्थान यात्रियों के लिए एक आकर्षक ठहराव स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण लोकेन्द्र सिंह बिष्ट, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, जिला परियोजना प्रबंधक ग्रामोत्थान ममराज सिंह चैहान उपस्थित रहे।

सीडीओ ने सुविधाओं की गुणवत्ता को परखा

मुख्य विकास अधिकारी रुद्रप्रयाग राजेन्द्र सिंह रावत ने दुर्गाधार में पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित गेस्ट हाउस का विस्तृत निरीक्षण किया गया। सीडीओ ने उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता को परखा और निर्देशित किया गया कि गेस्ट हाउस के संचालन हेतु स्थानीय सक्षम स्वयं सहायता समूह को चयनित कर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि इसे पेशेवर और पर्यटक/हितैषी रूप में संचालित किया जा सके।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com